M.A. Semester III Examination, 2014
HINDI
Paper : X

Time : Three Hours **Full Marks : 40**

Questions are of value as indicated in the margin

1. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं **दो** की ससंदर्भ आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए– 2×8=16

(क) चलन चलन सब को कहत है
नाँ जाँनौं बैकुंठ कहाँ है।।
जो जन एक प्रमिति नहिं जानै, बातन ही बैकुंठ वषानै।
जब लग हैं बैकुंठ की आसा, तब लगि नहीं हरि चरन निवासा।।
कहे सुनें कैसें पतिअइये, जब लग तहाँ आप नहिं जइये।
कहै कबीर बहु कहिये काहि, साध संगति बैकुंठहि आहि।।

(ख) नागमति चितउर पँथ हेरा। पिउ जो गए फिरि कीन्ह न फेरा।
नागरि नारि काहुँ बस परा। तेईं बिमोहि मोसौं चितु हरा।
सुआ काल होइ लै गा पीऊ। पिउ नहिं लेत लेत बरू जिऊ।
भएउ नरायन बावन करा। राज करत बलि राजा छरा।
करन बान लीन्हेउ कै छंदू। भारथ भएउ झिलमिल आनंदू।

(ग) तबहिं उपंगसुत आय गए।
सखा-सखा कछु अन्तर नाहिं, भरि-भरि अंक लए।।
अति सुंदर तम स्याम सरीखो देखत हरि पछिताने।
ऐसे को वैसी बुधि होती ब्रज पठवैं तब आने।।
या आगे रस-काव्य प्रकासे, जोग वचन प्रगटावे।
सूर ज्ञान दृढ़ याके हिरदय, जुवतिन जोग सिखावै।।

(घ) मो सम दीन न दीनहित तुम्ह समान रघुबीर।
अस विचारि रघुबंसमनि हरहु विषम भवभीर।
कामिहि नारि पिआरि जिमि लोभिहि प्रिय जिमि दाम।
तिमि रघुनाथ निरंतर प्रिय लागहु मोहि राम।।

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर दीजिए— 2×12=24

(क) कबीर-काव्य की प्रासंगिकता पर विचार कीजिए।

(ख) "पद्मावत में लौकिक काव्य के द्वारा अलौकिक प्रेम की व्यंजना हुई। है"— कथन के औचित्य पर प्रकाश डालिए।

(ग) 'भ्रमरगीत' के आलोक में सूरदास की गोपियों की वाग्विदग्धता पर प्रकाश डालिए।

(घ) 'रामचरितमानस' में 'उतरकाण्ड' के महत्व पर विचार कीजिए।